ब्राक मीडिया

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के मीडिया छात्रों का प्रायोगिक समाचार पत्र

नई दिल्ली शुक्रवार 27 अक्टूबर , 2023 अंक 1 , पृष्ठ संख्या 1

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज में G20 कार्यक्रम का आयोजन

विवेकानन्द कॉलेज के सहयोग से भारत मैक्सिको की विरासत की दिखी झलक

दिनांक: 10 अक्टूबर ,2023

दिल्ली विश्वविद्यालय संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज में विवेकानंद कॉलेज के सहयोग से जी 20 सांस्कृतिक - सह - शैक्षणिक गतिविधियों की श्रृंखला में जी- 20 शिखर सम्मेलन को लेकर भारत - मैक्सिको की साझी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद् के डीन श्री अनूप लाठर, विशिष्ट अतिथि डॉ. इंदर मोहन कपाही, प्रो. अजय कुमार सिंह और प्रो. रविंद्र कुमार के साथ कॉलेज प्राचार्य डॉ. आर एन दूबे एवम विवेकानंद कॉलेज प्राचार्या प्रो. हिना नंदराजोग भी उपस्थित रहे। उदघाटन सत्र में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर एन दुबे ने मैक्सिको और भारत के संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डालते वैश्विक एकता पर जोर दिया। इस सन्दर्भ में उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम् को वैश्विक एकता का आधार बताया। प्रो. दूबे ने कहा कि पी एम मोदी के पंच प्रण सशक्त भारत के मूल मंत्र हैं।

विवेकानंद कॉलेज की प्राचार्या प्रो हिना नंदराजोग ने कहा कि साहित्य और सिनेमा के माध्यम से भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार हुआ है। उन्होंने कहा कि अनेक कहानीकार हुए हैं जिन्होंने भारतीय संस्कृति का संरक्षण किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो अजय कुमार सिंह ने कहा कि पहले मिलेनियम डेवलपमेंट की बात होती थी जो आगे चलकर सतत विकास के रूप में सामने आई। बिना भावी पीढ़ी से समझौता किए सतत विकास पर आज जोर दिया जा रहा है ताकि आगामी पीढ़ी के लिए संसाधन बचे रहें। डा ए के सिंह ने एस डी जी रिपोर्ट 2023 का संदर्भ देते हुए भारत और मैक्सिको के सामने आने वाली चुनौतियों की चर्चा की। उन्होंने दोनों देशों के विकास की तुलना भी की। उन्होंने आबादी, जलवायु परिवर्तन, महिला,जैव विविधता, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन, शहरीकरण, सुरक्षा आदि पैरामीटर पर दोनों देशों की तुलना की। उन्होंने कहा कि एक धरती ,एक परिवार और एक भविष्य की अवधारणा आज के समय की जरुरत है। प्रो अजय

G20 कार्यक्रम का आयोजन

कुमार सिंह ने भारत और मैक्सिको की शिक्षा की तुलना करते हुए कहा कि सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

प्रो सिंह ने बताया कि आगे बढ़कर हमें अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वाह करना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद के डिप्टी डीन डा रविंद्र कुमार ने कार्यक्रम की तैयारियों के लिए विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आयोजन में दोनों देशों की सांस्कृतिक झलक दिखाई दी। उन्होंने कहा कि भारत युवा आबादी वाला देश है।भारत के सांस्कृतिक परिवेश को बचाए रखने में महिलाओं की बड़ी भूमिका रही है। भारत विश्व में स्त्री नेतृत्व की अवधारणा के पक्ष में है। हॉलीवुड की फिल्म लूसी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मानवीयता को बचाने के लिए वही काम करना चाहिए जो शरीर का एक सेल मरने से पहले दूसरे सेल को जानकारी देकर करता है।आज सभी देशों को जानकारी साझा करनी चाहिए। भारत की हरित क्रांति में मैक्सिको की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।गेंहू का उत्पादन बढ़ाने में मैक्सिको की भूमिका उल्लेखनीय है .दोनों देशों की संस्कृति भी मिलती है और दोनों देश एक दूसरे की संस्कृति को प्रोत्साहित और संरक्षित करने के लिए प्रयासरत हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद के डीन श्री अनूप लाठर ने अपनी कविता जिंदगी बुलबुला है हाथों में आकर फूट जाती है से संबोधन आरंभ करते हुए कहा कि दोनों देश उपनिवेश रहे हैं। मैक्सिको और भारत ने उपनिवेशवाद की त्रासदी झेली है। दोनों ने सांस्कृतिक हमलों को झेला है। दोनों की भाषा, समाज और संस्कृति इससे प्रभावित हुई है।आज भारत तेजी से टॉप इकोनोमी बनने की ओर बढ़ रहा है। जी 20 को लेकर कार्यक्रम आयोजित करने के पीछे का उद्देश्य भारत की वर्षों की मेहनत है। पिछले आठ नौ साल में सरकार ने जिन उपलब्धियों को हासिल किया है ,आज का जी 20 उसी का प्रतिफलन है। श्री अनूप लाठर ने सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि भारतीय युवाओं में बहुत सामर्थ्य है जो भारत को बहुत आगे ले जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद के सदस्य डा इंदर मोहन कपाही ने कहा कि मैक्सिको और भारत में अनेक समानताएं हैं। विकास को सतत बनाए रखने में शिक्षा का रोल उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ की लीडरशिप भारत कर रहा है और इसका फायदा भारत को संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद की सदस्यता में मिल सकता है। भारत ने चंद्रयान और मिडल ईस्ट कॉरिडोर का मॉडल प्रस्तुत कर अपनी ग्लोबल लीडरशिप की झलक पेश कर दी है।जी 20 में सर्व सम्मति से सभी देशों द्वारा प्रस्ताव पास किया जाना दिखाता है कि भारत का वैश्विक रोल महत्वपूर्ण हो चुका है।

इस कार्यक्रम के आयोजन से दिल्ली में संसाधनों का विकास हुआ है। कई नई इमारतें बनी है।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ अनिल कुमार कलकल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी संस्थान में शैक्षणिक के साथ-साथ सांस्कृतिक और खेल-कूद आदि गतिविधियों में हिस्सा लेने से ही सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास होता है। कार्यक्रम के अंत में डा भीमराव अम्बेडकर कॉलेज और विवेकानन्द कॉलेज के विद्यार्थियों ने भारत-मैक्सिको की साझा संस्कृति की मनोरम प्रस्तुतियां की । कार्यक्रम का संयोजन प्रो विष्णु मोहन दाश और संचालन प्रो पूनम मितल और प्रो जया वर्मा ने किया।

पत्रकारिता के नए छात्रों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आज

मीडिया की दिग्गज हस्तियां उपस्थित रहेंगी

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज में आज हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम पाठयक्रम के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यकम में मीडिया के क्षेत्र की बड़ी हस्तियां उपस्थित रहेंगी। इस आयोजन का विषय "मीडिया में कैरियर : वर्तमान और भविष्य" है। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्रथम वर्ष के विद्यार्थीयों को पत्रकारिता के विभिन्न आयामों और चुनौतियों की जानकारी देना है। कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर (राजस्थान) के कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय उपस्थित रहेंगे। जिन्होंने सन् 1994 में डॉ भीम राव अंबेडकर कॉलेज से अपने शिक्षक जीवन की शुरुआत की थी। इन्होंने शिक्षा तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे अपने जीवन का अनुभव भी विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगे।

विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के लिए हिंदी के प्रसिद्ध कवि व बिहार लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अरुण भगत भी इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़ेंगे। वे वर्तमान समय में मोतिहारी (बिहार) स्थित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में डीन के रूप में कार्यरत हैं, जो विद्यार्थियों को प्रिंट मीडिया में कैरियर बनाने के लिए कुछ सुझाव देंगे।

टीवी टुडे नेटवर्क के सीनियर एक्जीक्यूटिव एडिटर शम्स ताहिर खान भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इन्होंने पिछले कई वर्षो से क्राइम रिपोर्टिंग की दुनिया में अपना परचम लहराया हुआ है। इन्होंने जनसत्ता और आज तक

प्रो. अनिल कुमार राय

प्रो. अरुण भगत

सौरभगुप्ता

शम्स ताहिर खान

संजीव वेदवान

जैसे बड़े संस्थानों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज तक पर सर्वप्रथम साप्ताहिक शो 'जुर्म' और 'वारदात' जैसे डेली शो का आइडिया भी इन्ही का था जो पूरे देश में पसंद किया गया।

हिन्दी और हरियाणवी एल्बम गानों का निर्देशन कर चुके संजीव वेदवान भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इनके फिल्मी जगत में किए गए निर्देशन कार्य के अनुभव से नए छात्रों को फिल्म जगत में रोज़गार संबंधी जानकारी प्राप्त होगी। जोकि उनको आगे चलकर निर्देशन, पटकथा लेखक और तमाम चीज़ों के कैरियर ऑप्शन को खोल देगें।

सौरभ गुप्ता डिजिटल मीडिया में कैरियर बनाने वाले विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए उपस्थित रहेंगे। जो वर्तमान समय में जी न्यूज डिजिटल के एडिटर के रूप में कार्यरत है। इससे पहले इन्होने न्यूज 24, एबीपी न्यूज व दैनिक जागरण जैसी बड़ी संस्थानों में भी अपना योगदान दिया है।

मशहूर संगीत डायरेक्टर संजीव वेदवान भी फिल्मी दुनिया में कैरियर बनाने वाले विद्यार्थियों को प्रेरणा देने के लिए उपस्थित रहेंगे। जिन्होंने अपने कैरियर में कई वीडियो संगीतो को डायरेक्ट किया है। वेदवान जी मुख्यत हरियाणवी गानों के लिए प्रसिद्ध है परंतु बतौर निर्देशक आपने हिंदी गीतों में भी कार्य करने की रुचि दिखाई है।

दिल्ली विश्विविद्यालय के डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रबिंद्रनाथ दूबे से पत्रकारिता के विद्यार्थी मो. सैफ ने बात की । पेश है बातचीत के अहम अंश ।

प्राचार्य प्रो. रबिंद्रनाथ दूबे से पत्रकारिता के विद्यार्थी मो.सैफ बात करते हुए ।

मो. सैफ - कॉलेज की 30 साल की यात्रा के बाद जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो आपको क्या याद आता है।

प्रो. आर एन दूबे - अगर मैं एक वाक्य में कहूं तो हमारे महाविद्यालय ने 5 कमरों के सरकारी स्कूल से शुरु होकर एक भव्य भवन में स्थापित होने तक की यात्रा तय की है। महाविद्यालय ने शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक स्तर पर अपना उत्कृष्ट योगदान दिया। 30 सालों में हमारे विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक खेलों में भाग लिया। आज हर क्षेत्र में अंबेडकर महाविद्यालय के विद्यार्थी कार्यरत हैं। विशेष रूप से हम मीडिया क्षेत्र की बात करें तो मीडिया का कोई ऐसा न माध्यम है और न कोई ऐसा मीडिया संस्थान हैं जहां हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थी न हों। बड़े–बड़े मीडिया संस्थानों जैसे आज तक, जी न्यूज़, टाइम्स ग्रुप में हमारे विद्यार्थी मौजूद हैं। सोशल मीडिया पर भी हमारे विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा सामाजिक कार्य के स्तर पर हमारे विद्यार्थी एनजीओ के साथ जुड़े हुऐ हैं। प्रशासनिक और राजनीति के क्षेत्र में भी हमारे पूर्व छात्र सक्रिय हैं। दिल्ली की राजनीति के बड़े नाम कपिल मिश्रा भी अंबेडकर महाविद्यालय के पूर्व छात्र हैं। विद्यार्थियों के प्लेसमेंट में भी अंबेडकर महाविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन सभी बातों से ये निष्कर्ष निकलता है कि बीते 30 सालों में अंबेडकर महाविद्यालय की यात्रा सकारात्मक रूप से विद्यार्थियों के जीवन को प्रभावित करती रही है।

मो. सैफ - हमारा कॉलेज यमुना पार इलाके में स्थित है जिसकी वज़ह से कॉलेज के सामने कई चुनौतियां आती रही होंगी।

प्रो. आर एन दूबे - हमारा कॉलेज एक ऐसे क्षेत्र में हैं जहां ज्यादातर लोग निम्न मध्यम वर्ग के हैं। जिसके कारण हो सकता है कि लोगों या विद्यार्थियों के मन में ये धारणा बन जाए कि अंबेडकर महाविद्यालय एक अलग–थलग रूप में मौजूद है। लेकिन ऐसा नही है बल्कि हमारा महाविद्यालय समाज से जुड़कर काम कर रहा है और कॉलेज टू कम्यूनिटी के विचार से कार्य कर रहा है। इस बीच बच्चों को शिक्षित करना, समाज में स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूकता फैलाना, समाज के कमज़ोर तबके विशेष तौर पर महिलाओं को ट्रेनिंग देने का कार्य भी हमारे महाविद्यालय ने किया है। हमारे महाविद्यालय की एनसीसी की ये सफलता है कि प्रत्येक वर्ष पीएम रैली में विद्यार्थी जाते हैं। हमारे विद्यार्थी सेना में भी भर्ती हुऐ हैं। अंबेडकर महाविद्यालय ने यमुना पार के क्षेत्र में रहते हुऐ भी अपनी पहचान दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट कॉलेजों में बनाई हुई है। ताजा उदाहरण लें तो दिल्ली विश्वविद्यालय ने G20 कार्यक्रम को लेकर 15 नोडल सेंटर बनाए थे, जिसमें से अंबेडकर महाविद्यालय भी एक था। इस संदर्भ में हमने भारत मैक्सिको की शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों पर कई कार्यक्रमों का सफल आयोजन किए।

मो. सैफ़ - 27 अक्टूबर को हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए आपके सुझाव।

प्रो. आर एन दूबे -ओरिएंटेशन एक शब्द है जिसमें विभाग अपने बच्चों को अपनी नीति और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देता है। विद्यार्थियों को विषय से संबंधित मूलभूत जानकारी देता है जिससे उनके जीवन में गुणात्मक परिवर्तन हो। विशेष रूप से यह हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन हैं तो जाहिर सी बात है इस क्षेत्र की हस्ताक्षर हस्तियों को बुलाया जाएगा। जिससे विद्यार्थी उनके ज्ञान, अनुभव और तकनीक से रु–बा–रु हो सकेंगे। विद्यार्थियों के लिए जरुरी है कि वे उनके अनुभव से सीखें, जिससे विद्यार्थी मीडिया में रोजगार की संभावनाओं के बारे में जान सकें। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संयोजक प्रो. बिजेंद्र कुमार और उनकी पूरी टीम को ढेरों शुभकामनाएं।

मीडिया में कैरियर मार्गदर्शन की आवश्यकता

आज पूरे विश्व में मीडिया का विस्तार हो रहा है। इसके पीछे का मुख्य कारण निरंतर बदलती हुई मीडिया टेक्नोलॉजी है। मीडिया के बदलते टेक्नोलॉजी ने इसके कई रूप प्रस्तुत किए हैं। इसके अंतर्गत प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल मीडिया आते हैं। आज के समय में मीडिया के क्षेत्र में कैरियर से जुड़ी बहुत संभावनाएं हैं। मीडिया से जुड़े विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार मीडिया के क्षेत्र में अपना कैरियर बन सकते है।

मीडिया के क्षेत्र में अब अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इसके लिए विद्यार्थियों को एक कुशल मार्गदर्शन की आवश्यकता है। ऐसे में दिल्ली विश्वविध्यालय से संबद्ध डॉ भीम राव अंबेडकर कॉलेज में हिन्दी पत्रकारिता विभाग के द्वारा नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों को मीडिया के क्षेत्र में कैरियर बनाने सम्बंधी जानकारी प्रदान की जाएगी।

अंग्रेज़ी विभाग में कार्यरत डॉ. सुनिता मलिक को दिनांक 26/10/2023 को प्रोफेसर पद पर पदोन्नत होने पर बधाई देते हुए शिक्षक साथी।

अंबेडकर कॉलेज में हिंदी भाषा और रोजगार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

हिंदी भाषा को अपनाना गुलामी की मानसिकता तोड़ने में पहला कदम : प्रो. दूबे

दिल्ली युनिवर्सिटी के डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में मंगलवार, 3 अक्टूबर को हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन किया गया। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा और रोजगार विषय पर आधारित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि सत्यावती कॉलेज (सांध्य) के प्राचार्य प्रो. हरीन्द्र कुमार, अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) प्रो. हरीश नवल, कॉलेज प्राचार्य प्रो रबिंद्रनाथ दुबे और हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो ममता उपस्थित रहे। हिंदी विभाग की ओर से सभी अथितियों का तुलसी पौधा और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

प्रो. हरीन्द्र ने कहा कि हिंदी भाषा शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार की चाबी है। उन्होंने अपने छात्र जीवन की चर्चा करते हुए बताया कि हिंदी भाषा के संबंध में गांव के लोगों में नकारात्मक भावनाएं उपज गई हैं। लेकिन अब इसमें बदलाव आ रहा है। प्रो. हरीश नवल ने कहा भाषा मां की तरह होती है जो रंग रुप नही बल्कि भाव देखती है। हमें हिंदी का सम्मान करना है लेकिन किसी भाषा का विरोध नही करना। प्रो. नवल ने बताया कि आज विश्व स्तर पर हिंदी में रोजगार की संभावना हैं। प्रो. रबिंद्रनाथ दुबे ने कहा हम अंग्रेजी के गुलाम बनते जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के पंचप्रण का वर्णन किया। प्रो दुबे ने कहा हिंदी भाषा हमारे महान राष्ट्र की महान पहचान है। उन्होंने अपने छात्र जीवन की चर्चा करते हुए कहा कि हिंदी भाषा ने मेरे जीवन में भी अहम भूमिका निभाई है। प्रो. राम प्रकाश द्विवेदी ने स्वागत वक्तव्य देकर संगोष्ठी की शुरुआत की।

संगोष्ठी की औपचारिक शुरुआत मां सरस्वती के चरणों में द्वीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ की गई। हिंदी विभाग प्रभारी प्रो. ममता ने सभी अथितियों, प्राध्यापकों व विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यावाद ज्ञापन दिया।

शिक्षक सहयोगी : प्रो. बिजेंद्र कुमार, प्रो. शशि रानी, डॉ. राकेश यादव , डॉ. रंजीत कुमार
डिज़ाइन परिक्लपना : नीरज कुमार
छात्र सहयोगी : सत्यम वर्मा , विवेक , मो. सैफ , शिवानी , विनय , करुणा नयन चतुर्वदी